BSWE-002

BSWE-004

समाज कार्य में स्नातक उपाधि

(बी.डी.पी. : बी.एस.डब्ल्यू. – द्वितीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2012–13

पाठ्यक्रम शीर्षक

बी.एस.डब्ल्यू.ई. – 002 : व्यक्तियों और समूहों के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप

बी.एस.डब्ल्यू.ई. – 004 : परिवार जीवन शिक्षा का परिचय

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीख :

जुलाई सत्र – जनवरी 30, 2013

जनवरी सत्र – जुलाई 30, 2013

इग्नू
जन जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110 068

प्रिय विद्यार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय (इग्नू) के बी.एस.डब्ल्यू कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नाकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप हमारी मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधारने के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। बी.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य आपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।
- अपने प्रयोगात्मक कार्य व्यावसायिक रूप से योग्य समाज कार्यकर्ता जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू/एम.ए. (समाज कार्य) की उपाधि हो और जिसे आपके अध्ययन केंद्र ने आपको उपलब्ध कराया हो केवल उसके मार्गदर्शन में ही करें।

बी.एस.डब्ल्यू द्वितीय वर्ष के लिए आपको बी.एस.डब्ल्यू.ई.–002, 004, एवं अन्य आधार पाठ्यक्रमों के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य करना होगा।

जुलाई 2007 से बी.एस.डब्ल्यू. के सभी विद्यार्थियों को क्षेत्र कार्य (समाज कार्य प्रैक्टिकम) में 35% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है जिसे आप निम्नलिखित से प्राप्त करेंगे:

(i) क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक, और (ii) बाह्य परीक्षक

समाज कार्य अभ्यास (प्रैक्टिकम) में उत्तीर्ण होने के अवसर, उस पर्यवेक्षक पर निर्भर है जो आपका मार्गदर्शन करेगा। याद रखिए कि केवल योग्यता प्राप्त पर्यवेक्षक जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू./एम. ए. (समाज कार्य) की उपाधि है, वही आपके क्षेत्र कार्य के लिए आपका मार्गदर्शन करने के लिए पात्र है। यदि इस संबंध में आप कोई कठिनाई अनुभव करते हैं तो आप अपने अध्ययन केन्द्र के अपने संचालक से चर्चा कर सकते हैं। आप डॉ. जी. महेश, कार्यक्रम समन्वयक समाज कार्य विद्यापीठ, इग्नू से 011–29534394 अथवा gmahesh@ignou.ac.in पर भी संपर्क कर सकते हैं।

आप अपना क्षेत्र कार्य जर्नल अपने अध्ययन केन्द्र के क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक (Field Work Supervisor) के पास जमा करा सकते हैं। क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक आपकी रिपोर्ट का मूल्यांकन करने के बाद इसे आपके अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास भेज देगा ताकि यह कुलसचिव, विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इं.गां.रा.मु.वि., मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को प्रेषित किया जा सके।

चूंकि समाज कार्य एक व्यावसायिक अध्ययन कार्यक्रम है, इसलिए विद्यार्थियों को नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एन.ए.पी.एस.डब्ल्यू.आई.) में विद्यार्थी सदस्यता लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए आप www.napswionline.org पर लॉग ऑन कर सकते हैं।

आप समाज कार्य और इससे जुड़े विषयों पर संबंधित सेमीनार, सम्मेलन और कार्यशाला में भाग भी लेना चाहेगें। NAPSWI e-journal आपको नियमित आधार पर अन्य सूचना के साथ–साथ यह जानकारी प्रदान करेगा जो समाज कार्यकर्ताओं और अर्ध–व्यावसायिकों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

समाज कार्य विद्यापीठ द्वारा आयोजित किए जाने वाली समाज कार्य व्यावसायिकों और विद्यार्थियों के सेमीनारों सम्मेलनों और बैठकों के संबंध में कृपया www.ignou.ac.in पर लॉग आन करें, तथा विद्यापीठों पर और उसके बाद समाज कार्य विद्यापीठ पर क्लिक करें।

(ग्रेशियस थॉमस)
निदेशक, समाज कार्य विद्यापीठ
इग्नू, नई दिल्ली

बी.एस.डब्ल्यू.ई. – 002

व्यक्तियों और समूहों के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.डब्ल्यू.ई – 002

कुल अंक : 100

नोट : (i) सभी **पाँचों प्रश्नों** के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(iii) प्रश्न संख्या **1 और 2** के उत्तर (प्रत्येक) **500 शब्दों** से अधिक नहीं होने चाहिए।

(1) सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास के क्षेत्रों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

सामाजिक समूह कार्य के प्रारूपों की चर्चा कीजिए। 20

(2) भारत में समाज कार्य के स्कूलों के ऐतिहासिक विकास का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

भारत में सामाजिक नियोजन में सम्मिलत प्रक्रियाओं की गणना कीजिए। 20

(3) निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो प्रश्नों** का उत्तर लगभग **250 शब्दों** में दीजिए।

(i) शहरी समुदायों में समाज कार्य की चर्चा कीजिए। 10

(ii) वैयक्तिक कार्य साक्षात्कार की क्या विशेषताएं हैं? 10

(iii) विभिन्न परिवेशों में समूह कार्यकर्ता की भूमिकाओं की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 10

(iv) ग्रामीण समुदाय में मौजूद सामाजिक समस्याओं को समझाइए। 10

(4) निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं चार प्रश्नों** का उत्तर लगभग **150 शब्दों** में दीजिए।

(i) सामाजिक वैयक्तिक कार्य के समस्या समाधान सिद्धांत को समझाइए। 5

(ii) समूह निर्माण अवस्था में समूह कार्यकर्ता की भूमिका। 5

(iii) सामाजिक समस्याओं के अध्ययन में गांधीवादी दृष्टिकोण। 5

(iv) आर्थिक वृद्धि एवं सामाजिक विकास के मध्य संक्षिप्त सम्बन्ध स्थापित कीजिए। 5

(v) भारतीय संविधान के मूलभूत लक्षणों की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए। 5

(vi) जनहित याचिका दायर करने की प्रक्रिया को संक्षिप्त रूप से समझाइए। 5

(5) निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** पर लगभग **100 शब्दों** में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

(i) सामाजिक वैयक्तिक कार्य का व्यवहार संशोधन सिद्धान्त 4

(ii) निदानात्मक साक्षात्कार 4

(iii) प्रतिकूल स्थानान्तरण 4

(iv) समूह निर्माण का व्यवस्था सिद्धान्त 4

(v) भारतीय सन्दर्भ में समुदाय 4

(vi) सापेक्ष एवं पूर्ण गरीबी 4

(vii) पूंजीवाद 4

(viii) भूमण्डलीकरण 4

बी.एस.डब्ल्यू.ई. – 004

परिवार जीवन शिक्षा का परिचय

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.डब्ल्यू.ई – 004

कुल अंक : 100

नोट : (i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(iii) प्रश्न संख्या **1 और 2** के उत्तर (प्रत्येक) **500 शब्दों** से अधिक नहीं होने चाहिए।

(1) व्यक्तित्व विकास के विभिन्न सैद्धान्तिक दृष्टिकोणों को संक्षेप मे समझाइए। 20

अथवा

तलाक के कारणों एवं इसके प्रभावों को विस्तृत रूप से समझाइए। 20

(2) गर्भधारण के बाद मानव विकास की विभिन्न अवस्थाओं की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

जीवन साथी चुनने के लिए सुझाए गये विभिन्न विचारणों की चर्चा कीजिए। 20

(3) निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो प्रश्नों** का उत्तर लगभग **250 शब्दों** में दीजिए।

(i) मुस्लिम विवाह एवं तलाक से सम्बन्धित कानूनों को विस्तृत रूप से चर्चा समझाइए। 10

(ii) परिवारों के लिए सरकारी नीतियों एवं कार्यक्रमों की व्याख्या कीजिए। 10

(iii) यौन स्वास्थ्य शिक्षा में जन माध्यम की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10

(iv) बदलते समाज में युवाओं द्वारा सामना किये जाने वाली चुनौतियों को समझाइए। 10

(4) निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं चार प्रश्नों** का उत्तर लगभग **150 शब्दों** में दीजिए।

(i) जिम्मेदार अभिभावक की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 8

(ii) गर्भपात को समझाइए एवं इसके विभिन्न प्रकार लिखिए। 5

(iii) बच्चों पर तलाक के प्रभावों की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 5

(iv) बचपन में अर्जित की गुई कुशलताओं को समझाइए। 5

(v) विकासात्मक पतन एवं वद्धावस्था की चर्चा कीजिए। 5

(vi) यौनिक व्यवहार में बहुप्ररेणाओं पर टिप्पणी कीजिए। 5

(5) निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** पर लगभग **100 शब्दों** में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

(i) सांस्कृतिक मूल्य 4

(ii) मातृरति (Oedipus Complex) 4

(iii) उभयलिंगी व्यक्तित्व 4

(iv) शुक्रवाहिका 4

(v) निषेचन 4

(vi) द्वितीयक सेक्स लक्षण 4

(vii) बहुपतित्व 4

(viii) जनजातीय विवाह 4